'सिलसिला' (1981) के हरिवंशराय बच्चन के रचे गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' की जिसे शिव हरि के मधुर संगीत में स्वयं अमिताभ बच्चन ने गाया। यह गीत आज भी होली के श्रेष्ठ गीतों में शीर्ष क्रम में आता है। 1982 में बनी 'राजपूत' में भी एक बेहद सुरीला होली गीत 'भागी रे भागी रे भागी ब्रिजबाला कान्हा ने पकड़ा रंग डाला' सुनने को मिलता है जिसे लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने आशा भोसले, महेंद्र कपूर और धीरज कौर से गवाया है। इसी साल 'नदिया के पार' में रविन्द्र जैन ने भी एक होली गीत 'जोगीजी धीरे धीरे, वाह जोगी जी' गीत रचा जिसे चंद्रानी मुखर्जी, हेमलता और जसपाल सिंह ने गाया। 1982 की ही फिल्म 'कामचोर' में संगीतकार राजेश रोशन ने भी 'मल दे गुलाल मोहे, आई होली आई रे' सरीखा सुरीला गीत किशोर कुमार और लता मंगेशकर की आवाज में पेश किया।

सन् 1984 में प्रदर्शित फिल्म 'मशाल' में हृदयनाथ मंगेशकर ने भी किशोर कुमार, लता मंगेशकर और मन्ना डे के साथ 'होली आई होली आई देखो होली आई रे' गीत बनाया। 'आखिर क्यों' में राजेश रोशन को एक बार फिर होली गीत रचने का मौका मिला और उन्होंने यहां अमित कुमार, मौहम्मद अजीज और अनुराधा पौडवाल से 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की टोली रे, भीगे दामन चोली रे, अपने ही रंग में रंग ले मुझको याद रहेगी होली रे' सरीखा हिट गीत रचा। 'सिलसिला' के बाद शिव हरि ने 'डर' में एक बार फिर होली गीत 'अंग से अंग लगाना सजन मोहे ऐसे रंग लगाना' (अलका याग्निक और विनोद राठौड़) कम्पोज किया जो पहले गीत की तरह ही आज तक चल रहा है। नंदलाला के संग होली खेलने के तो कई गीत हम फिल्मों में सुन चुके हैं लेकिन राम के होली खेलने का पहला फिल्मी गीत सुनने को मिला 2003 में प्रदर्शित फिल्म 'बागबां' में जिसका संगीत आदेश श्रीवास्तव ने रचा। उन्होंने यहां समीर के लिखे 'होली खेले रघुवीरा अवध में होली खेले' को अमिताभ बच्चन, उदित नारायण और अलका याग्निक की आवाज में कम्पोज किया। यह गीत भी खूब पसंद किया गया।

'बलम पिचकारी... ये जवानी है दिवानी'

'डू मी ए फेवर...वक्त'

नए दौर के होली गीतों में मिठास कम और टेक्नो संगीत का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है। हालांकि नई पीढ़ी को ऐसे होली गीत भी पसंद आते हैं जो उन्हें उनके हिसाब से थिरकने को मजबूर करते हैं। हमने जानबूझकर यहां अक्षय कुमार/प्रियंका चौपड़ा पर फिल्माया अनु मालिक का रचा फिल्म 'वक्त' (2005) का 'डू मी ए फेवर लेट्स प्ले होली', 'ये जवानी है दीवानी' (2013) का विशाल ददलानी का संगीतबद्ध 'बलम पिचकारी' और संजय लीला भंसाली की 'गोलियों की लीला रामलीला' का 'लहू मुंह लग गया' आदि को इस सूची में शामिल नहीं किया है लेकिन ये गीत भी हर साल होली पर जरुरी तौर पर बजाये और सुने जाते हैं।